कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) .....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में .....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय ..... हिन्दी .....

परीक्षा का दिन ..... शनिवार .....

दिनांक ..... 9/03/19 .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज का उपयोग में लिया गया है। 165/2019

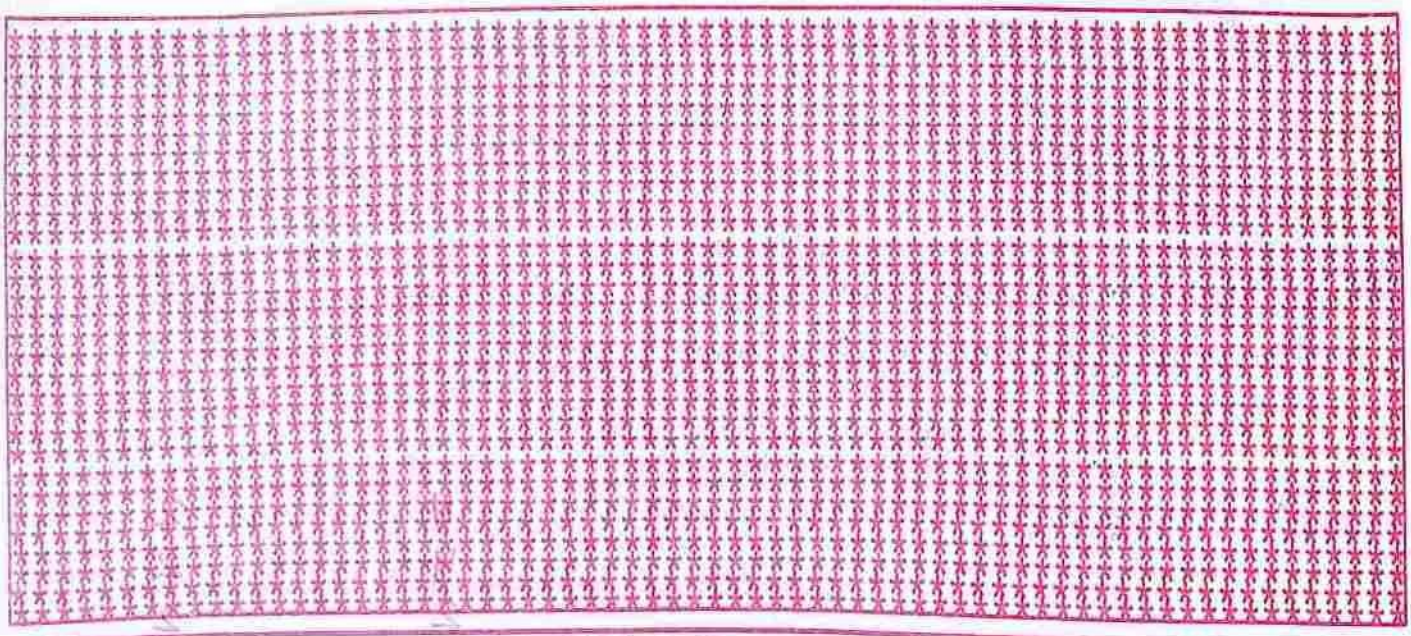

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, कैलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

Ans → 1(अ) एक साहित्यकार को आदर्श होने के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती है। कर्मभाव ही उसका गुण है, क्योंकि अक्सर कर्म अपने साथ पक्षपात तथा संकीर्णता को भी लाता है।

ब) धार्मिकता का अभिमान रखने वाला ईश्वर की दया का पात्र कैसे नहीं हो सकता क्योंकि उसे अपने धार्मिक होने का घमंड होता है तथा स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझने लगता है, इसी कारण वह ईश्वर की दया का पात्र नहीं हो सकता है।

Ans → 2(अ) उन्नति के संदर्भ में मनुष्य बलशाली व शक्तिशाली होता है। वह कहता है गिरता वही है जो उठ सकता है और वह गिरकर भी उठेगा तथा आगे बढ़ेगा। उसे नर होने पर गर्व है तथा वह कहता है कि वह एक पुरुष है जो सबकुछ करेगा चाहे उसके उठने के लिए स्थान हो वह कहता है कि उसके रीते हाथों के साथ मेरे देवता भी और ऊंचे उठे।

(ब) प्रस्तुत काव्यांश से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें अपनी हिम्मत कभी नहीं हारनी चाहिए, हमें उठने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। हमें गिरने से नहीं डरना चाहिए, क्योंकि कहा गया है कि गिरता वही है जो उठ सकता है, अर्थात् हमें अपने सफलता के लिए हरसंभव कोशिश करनी चाहिए तथा उसके साथ उसके सभी देवता भी उसका साथ देते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans →	3(अ)	भाषा ⇒ हमारे विचारों के आदान-प्रदान को व्यक्त करने का माध्यम अर्थात विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते है, भाषा कहलाती है। बोली ⇒ किसी स्थानीय या सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा 'बोली' कहलाती है।
	(ब)	भाषा के दो रूप है- (i) मौखिक रूप, (ii) लिखित रूप
Ans →	4(अ)	वाह ⇒ विस्मयादिबोधक अव्यय, पुल्लिंग, एकवचन।
	(ब)	रोज ⇒ ~~अव्य~~ कालवाचक क्रियाविशेषण, पुल्लिंग, एकवचन।
Ans →	5	उपर्युक्त वाक्य में लक्षणा शब्द-शक्ति है। लक्षणा शब्द-शक्ति में उस वाक्य कोई लक्ष्यार्थ या तात्पर्यार्थ निकलता है, तथा इस वाक्य में कहा गया है कि सुरेश खेलते समय हवा से बाते करता है अर्थात वह इतनी तेज ~~चित~~ खेलता है कि हवा से बाते करना इसके समान बताया गया है।
Ans →	6	~~या अनुरागी ... उज्ज्वल होय। प्रस्तुत काव्य में उत्प्रेक्षा अलंकार है अर्थात किसी उपमेय में उपमान की संभावना हो अर्थात इसमें कहा गया है कि जैसे-जैसे श्यामरंग में जाते है वैसे-वैसे ही उज्ज्वल होते है। तथा इसमें उत्प्रेक्षावाचक शब्द ज्यों-ज्यों भी है,~~

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans→	7(अ)	Eligible ⇒ योग्य / पात्र
	(ब)	Gazett ⇒ राजपत्र

आ जा बचपन .... कुटिया मेरी।

Ans→ 10

⇒ प्रसंग ⇒ प्रस्तुत पद्यांश हिन्दी अवतरण से 'सुभद्रा कुमारी चौहान' द्वारा रचित 'मेरा नया बचपन' नामक कविता से लिया गया है। इसमें कवयित्रि अपने बचपन बचपन के बीत जाने के बाद उसे वापिस अपने दूसरे रूप में देखना आदि का वर्णन किया गया है।

⇒ व्याख्या ⇒ कवयित्रि अपने बचपन के दिन बीत जाने पर तथा यौवन के भार से मुक्त होने के लिए अपने बचपन को फिर से बुलाती है और कहती है कि - हे बचपन! तुम फिर से आ जाओ तथा मुझे अपनी गोद मे ले लो तथा मुझे इस यौवन से शांति प्रदान करो, यौवन का भार वहन करते - करते मैं थक गयी हूँ, मेरी इस व्याकुलता भरी व्यथा को मिटाने वाली शांति, वह मधुर सरलता, निश्छल भाव की हँसी, बिना भेदभाव का जीवन आदि के मिटने का दुःख जो मेरे मन में है, क्या वह तु फिर से वापिस आकर मिटा सकेगा।

तभी वह अपने बचपन को याद कर रही होती है, तभी उसकी बेटी बोल पड़ी तथा वह फिर से अपने बचपन मे लौट आयी तथा वह बेटी के किलकारने से उसकी छोटी सी कुटिया नंदन-वन के समान सुरम्य हो गयी तथा उसकी कुटिया खिल पड़ी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

=> विशेष => (i) इस कविता में लेखिका बचपन के बीत जाने के बाद का जीवन का वर्णन करती है।
(ii) इसमें बचपन की विशेषता पता चलती है।
(iii) इसकी भाषा सरल एवं सहज है।

Ans => 11 यहां मुझे - - - - - - - - - - - सद्भाव घटी।

=> प्रसंग => प्रस्तुत गद्यांश हिन्दी अवतरण के 'जैनेन्द्र कुमार' द्वारा रचित 'बाजार-दर्शन' नामक अध्याय से लिया गया है। इसमें लेखक बाजार तथा मानव की क्रय-शक्ति आदि का वर्णन करता है।

=> व्याख्या => प्रस्तुत गद्यांश में लेखक बाजार की सार्थकता का वर्णन करता है, वह कहता है कि जिस व्यक्ति के मन को अच्छी तरह पता है कि उसे क्या चाहिए तो वह बाजार की सार्थकता सिद्ध करते है तथा जिसके पास 'पर्चेजिंग पावर' होती है, वह अपने पैसे पर गर्व कर केवल एक विनाशकारी शक्ति बाजार को प्रदान करते है। वे केवल बाजार का बाजारूपन बढ़ाता है। वे न तो बाजार को कुछ लाभ दे सकते है तथा न हि कुछ बाजार से लाभ प्राप्त कर सकते है। वे लोग बाजार में कपट को बढ़ाते है अर्थात उसमें परस्पर सद्भावना घटती जाती है, क्योंकि उनके मन में खरीदने को कुछ नहीं होता, वे तो केवल अपनी 'पर्चेजिंग-पावर' को प्रदर्शन करते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

⇒ विशेष ⇒ (i) इस गद्यांश में बाजार के बाजारूपन का वर्णन किया गया है।

(ii) इसमें लोगों की क्रय-शक्ति के बारे में वर्णन किया गया है।

(iii) इसमें आधुनिक युग पर बाजार पर एक व्यंग्य किया है।

Ans 12 "सहजता एवं सरलता से जीवन जीने में जो खुशी मिलती है वह खुशी बाह्य-तड़क-भड़क में नहीं, बल्कि अंतर की दृढ़ता है", क्योंकि व्यक्ति जितनी सादगी व सरलता से जीवन जीता है उसमें वह खुश होता है अर्थात् वह अपने मन की करता है तथा आडंबर रहित होता है लेकिन बाहरी चमक तथा आडंबर करके भी वह इतना खुश नहीं होता है। तोलिया नामक पाठ से वसंत सादगी व सरलता से जीवन जीता है, उसे स्वच्छता अच्छी लगती है परंतु उसके प्रति वह सनकी नहीं है, इसी कारण लेखक कहना चाहता है कि मधु की तरह बाहरी जीवन मत जियो, उसमें इतनी खुशी नहीं मिलती है जितनी अपने सांस्कृतिक व यथार्थ जीवन से प्राप्त होती है। मधु आडंबर करती है, बाहरी दिखावा प्रदर्शित करती है, इसी कारण वह इतना खुश नहीं रह पाती तथा सभी से नहीं मिल-जुल पाती है।

Ans 13. 'ऊषा' कविता में कवि ने प्रातःकालीन सूर्योदय का जीवंत परिवेश चित्रण किया है। वह सूर्योदय की तुलना जीवंत परिवेश अर्थात् रसोईघर में उपयुक्त 'चौका' से तुलना करता है। जब सूर्य उदय होता है तो उसकी प्रारंभिक किरणें ऐसे अर्थात् अपनी नीली आभा बिखेरता है तो ऐसा लगता है कि चौके को अभी गोबर व राख से लीपा है तथा अभी वह गीला है। तत्पश्चात्

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सूर्य अपनी लालिमा युक्त छटा बिखेरता है तब ऐसे लगता है कि जितबहे जैसी स्लेट पर किसी ने केसर रंग खडिया रगड दिया है अर्थात् पूरे वातावरण में लालिमा छा जाती है तथा उसके पश्चात् सूर्य पूर्ण उदय हो जाता है तथा सभी अपने कार्यों के लिए तैयार हो जाते है तथा वातावरण में चहल-पहल मच जाती है।

Ans ⇒ 14. उपर्युक्त पंक्ति से कथाराम यादिया जी कहना चाहते है कि जो मित्र सच्चे उसके दुःखो में सहायता करे, वही अच्छा मित्र होता है, इसी कारण इस मित्र के हित की आस भगवान से करनी चाहिए। इसीलिए सच्चे मित्र की रक्षा करनी चाहिए, जिस प्रकार कृष्ण ने सारथी बनकर अर्जुन की थी।

Ans ⇒ 15. गोपियों के लिए श्रीकृष्ण की स्मृति दिलाने वाली सभी वस्तु उसे संतापदायक लगी। श्रीकृष्ण की उपस्थिति में गोपियों को सभी वस्तुएं अच्छी लगती है, परंतु उसके जाने के बाद वे वस्तुएं उससे दुःखदायी लगती है। गोपियां कहती है कि ब्रज की लता पहले श्रीकृष्ण थे तब बहुत अच्छी लगती थी परन्तु अब उन्हें ज्वाला के समान प्रतीत होती है, उसे ब्रज सूना महसूस लगता है, इसीलिए वे श्रीकृष्ण की स्मृति दिलाने वाली वस्तुएं उसे जलाती है।

Ans ⇒ 16. मेहनतकश लोगों के श्रम व उनकी मजदूरी के मूल्य को उसके मजदूरी के मेहनताना देकर तथा उसे प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि मजदूर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ने उसके कार्यों के लिए अपने सभी अंग व मेहनत सभी
समर्पित किये हैं तो ~~वह~~ उसका मेहनताना केवल मजदूरी
से कैसे दिया जा सकता है। हमे उनकी मेहनताना के साथ-
साथ प्रेम भी व्यक्त करना चाहिए।

Ans 17. लेखक ने कौसानी की तुलना ~~स्विट्सज~~ स्विटजरलैंड से
की इसलिए कि क्योंकि कौसानी एक छोटा-सा तथा
सुंदर गांव है, उसे देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है
जैसे वह स्विटजरलैंड में आया हो। कौसानी की सुंदर
बर्फ, उसके सुंदर-सुंदर फूल ऐसी छटा बिखेरते
है तो वह स्विटजरलैंड से कम नहीं दिखाई देता है।
इसी कारण लेखक कौसानी की सुरम्य छटा को देखकर
इसकी तुलना ~~स्विट्सजलैंड~~ स्विटजरलैंड से की थी।

Ans 18. कवि हरिवंशराय का साहित्यक ~~परीचय~~ परिचय =>
कृत व्यक्तित्व - ~~परीचय~~ परिचय =>
कवि हरिवंशराय 'बच्चन' का
जन्म ~~मुंबई~~ इलाहाबाद में हुआ था। इनका जन्म सन् 1907 ई.
मे हुआ था। इसके बाद उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा
मुंबई से प्राप्त की। इसे कविता लिखने का बहुत
शौक था। इन्होंने संस्कृत व अरबी व फारसी भाषा
भी सीखी थी। इन्होंने अनेक कविताओं की रचना की
थी। इनको ~~क~~ इनकी पहचान इनकी 'मधुशाला'
नामक ग्रंथ से मिली थी। लम्बे दिनों तक इन्होंने
संपादक का कार्य भी किया था। इनकी पत्रिका 'रूपाभ'
में ये संपादक तौर पर कार्य करते थे।

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कृतित्व - परिचय ⇒

कवि हरिवंशराय बच्चन ने अनेक काव्य ग्रंथों की रचना की थी - इनमे प्रमुख काव्य रचना - मधुशाला, मधुबाला, टूटे झरोखे, टूटे खिड़कियां, नयी कहानी, आपने सामने कोई दूसरा नहीं, रथयात्रा आदि कई उल्लेखनीय रचनाये है।

Ans ⇒ 19. नायिका नायक को पत्र इसलिए नहीं लिख पा रही थी है, क्योंकि उसके हाथ कमजोर हो गये है तथा वह पत्र लिखते समय थरथरा रही है, इसी कारण वह पत्र नहीं लिख सकी।

Ans ⇒ 20 "अब तुम इसका मकान बनाओं या महल, मैं अपने चिर - विश्राम - गृह में जाती हूं।" यह वाक्य ममता ने कहा जब बादशाह के सैनिक लगभग सैंतालीस वर्षो बाद वहां आये जहां युवराज ने संकट समय में सहायता ली थी, तथा वहां एक मकान बनाने की कह रहा था, तभी वह कहती है कि उसके मरण समय निकट आ पहुंचा है।

Ans ⇒ 21 "यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे आंचल पसारती हूं।" यह वाक्य सुबेदारनी जी ने लहना सिंह से कहा था क्योंकि लड़ाई के समय सुबेदार व उसके बेटे दोनो घायल अवस्था मे थे, तब सुबेदारनी जी ने कहा कि जिस प्रकार तुमने मेरी रिक्शा वाले से रक्षा करी, उसी तरह मैं आज अपने दोनो (पति व बेटे) की रक्षा का वचन मांगती है। यह मुझे भीख के रूप में दो तथा इसके लिए मैं आपके आगे अपना आंचल पसारती हूं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans→22 खादी का जन्म महात्मा गांधी ने अंग्रेजो का बहिष्कार करते हुए उसने स्वयं चरखे से बनाया, तब से यह खादी प्रचलन में आयी। दरअसल यह खादी बहुत महंगी थी, परन्तु यह स्वदेशी निर्मित थी। इसे महात्मा गांधी ने स्वयं बनायी थी। इससे खादी का जन्म हुआ। तब से यह सब लोग खादी का उपयोग करने लग गये तथा विदेशी ~~वस्तु~~ वस्तुओं का बहिष्कार किया।

Ans→23 "मेरी मृत्यु से पहले एक बार मुझे अपना श्रीमुख दिखलाने की कृपा करें," ऐसा रत्नावली से अपने पति देव जी से कहा था क्योंकि तुलसीजी ने गृहस्थी त्यागकर राम-भक्ति मे लीन हो गये, तब रत्नावली ने कहा था कि मै आपकी भक्ति बाधा नही बनूंगी, परन्तु मुझ पर एक कृपा करना, जब मेरी मृत्यु से पहले अपना श्रीमुख जरूर दिखा देना, इससे मेरा जीवन धन्य हो जायेगा।

Ans→24 चित्तौडगढ जाते-जाते लेखक का हृदय भावनाओं के उद्वेग से उल्लसित इसलिए हो उठा, क्योंकि लेखक को चित्तौडगढ देखने से उसे अनेक वीरों के बलिदान याद आ गयी, वह भावुक हो गयी और सोचने लगी कि वे वीर थे जिन्होने अपने मातृभूमि के लिए अपनी जान गंवा दी थी। चित्तौडगढ में विजयस्तंभ देखकर वह गर्व से प्रफुलित हुई तथा उसे अपने राजाओं-महाराजाओं की याद आ गयी। वह सोचने लगी कि इस देश की धरती पर न तो ~~हीरा उप~~ केसर उपजता है और न ही हीरों की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

कोई स्थान है यहां तो ऐसे वीर जन्म लेते है जो अपने सिरे कटने के बावजूद भी लड़ते रहे, इन्होंने यहां के वीर जवानों की वीरगाथाएं सुनकर उनका मन उल्लासित हो गया। वह चित्तौडगढ के किले व विजय स्तंभ आदि को देखकर उनके मन मे वीरो के बलिदान वाली महत्ता आ गयी, इसीकारण चित्तौडगढ जाते समय लेखक का हृदय भावनाओं के उद्वेग से उल्लासित हो उठा।

Ans => 8

अधिसूचना
राजस्थान सरकार

क्रमांक = 23/2/20- दिनांक = 3 मई, 2018

उपरोक्त अधिसूचना अंतर्गत राज. सरकार की ओर से खादी ग्रामोद्योग की सूचना दी गयी है। इस उद्योग के अंतर्गत गांवों में खादी के कपडे की महत्ता को बताते हुए इसको हर-गांव-गांव में उद्योग लगाने की व्यवस्था की गयी है। इनमें खादी के निर्माण से हरएक व्यक्ति कार्य कर सकता है तथा खादी का उपयोग कर सकता है। अतः आप सभी से निवेदन है कि इस व्यवस्था 'खादी ग्रामोद्योग' को बढावा दे तथा अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठायें। यह व्यवस्था राजस्थान सरकार द्वारा जारी की गयी है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मतदाता जागरण अभियान

उत्तर 9.

प्रस्तावना =)

हमारे देश में यह परंपरा होती है कि हम अपनी सरकार को स्वयं चुनते हैं, इसी कारण हमारा देश उन्नति कर रहा है। हमारे देश में मतदान अपनी सरकार को चुनने के लिए होते हैं ताकि जनता अपनी मनपसंद सरकार चुन सके। इसके लिए मतदाता भी होना आवश्यक है। अतः हमें मतदान करना चाहिए।

मतदान में मतदाताओं की भूमिका व स्थिति =)

पहले हमारे देशों में मतदान के वक्त कुछ गिने-चुने लोगों को ही मतदान करने दिया जाता था। यहां पर मतदाताओं में समानता का अधिकार नहीं था। सर्वप्रथम तो पुरुषों को यह अधिकार दिया गया था कि वे ही मतदान कर सकते हैं, परंतु स्त्री को इसका महत्व नहीं दिया गया। पहले बहुत कम संख्या में मतदाता थे। कभी-कभी मतदाता स्वयं ही तैयार नहीं होते हैं कि वे भी मतदान करने जाये। पहले काल में शिक्षा का प्रसार नहीं था तथा लोगों को मतदान के बारे में इतना ज्ञान भी नहीं था। इसी कारण हमारे मतदान की संख्या बहुत कम थी तथा ठीक सरकार नहीं आती थी। जब कोई पार्टी खड़ी होती थी तो दूसरी विपक्ष पार्टी उसे जीतने नहीं देती थी। इसी कारण देश में व्यवस्था सुचारु ढंग से नहीं चल पा रही थी। परन्तु जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हुआ, वैसे-वैसे मतदाताओं की संख्या बढ़ती गयी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आजकल मतदाता मतदान में अधिक संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते है। आजकल मतदाता को भाग्य जागरूक करने के लिए 'मतदाता जागरण अभियान' चलाया गया है।

"मतदाता जागरण अभियान" का महत्व ⇒

इस अभियान के तहत मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया जाता है। आजकल हमारे शहरो या गावो मे भी इसका प्रसार-प्रचार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया जोरो से चल रही है। इसका एक ही मतलब है। देश को सबसे अच्छी सरकार दिलाना जिससे देश का उत्थान हो। इसके लिए अब अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे थे। लोगो को मतदान के प्रति शिक्षित किया जा रहा है। हर एक लोगो को मतदान देने जाना है। इसके लिए मतदाता होने के लिए एक शर्त है कि-

"मतदाता बनने के लिए लड़के या लड़की की आयु 18 years से अधिक होना आवश्यक है तभी वह मतदान कर सकेगा।"

इसके लिए सभी 18 वर्ष से अधिक व्यक्तियों का मतदाता पत्र बनाया जा रहा है ताकि वह मतदान में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके। इसके लिए सरकार अनेक प्रयास कर रही है। इसके लिए सरकार अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मतदाता मतदाता जागरण अभियान के अंतर्गत एक नयी योजना उभरकर आयी है। मतदाता को मतदान करने की तरीका भी बदल गया है। इसके लिए सरकार ने एक नया कार्यक्रम चलाया है। जो निम्न प्रकार है ~

SVEEP ⇒ Systematic Voter electrole Education P

इस कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को सिखाया गया कि कैसे अब आप सिस्टेमेटिक तरीके से मतदान कर सकते हैं।

उपसंहार ⇒
हमें अपना वोट डालने का अधिकार है तथा इसमें हम अपने एक वोट से बहुत कुछ कर सकते हैं। आपने अपने वोट की कीमत जाननी होगी तथा मतदान करने अवश्य जाना होगा।
"अपना वोट, अपना अधिकार"

Ans 25 वर्तमान समय में लेखन अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त और सर्वव्यापी माध्यम इलेक्ट्रॉनिक माध्यम है, क्योंकि इसमें श्रव्य व दृश्य दोनों अभिव्यक्ति हो सकती है। इसमें लेखन को देख भी सकते है तथा सुन भी सकते है। आजकल यह सब e-mail, Internet, आदि से भी संचालित है।

Ans 26 फीचर व लेख में अंतर ⇒
फीचर ⇒ किसी भी विषय को विशुद्ध व अतीव मनोरम स्वरूप से लिखना फीचर कहलाता है।
लेख ⇒ किसी भी विषय को कलात्मक, भावनात्मक आदि रूप से लिखना लेख कहलाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

पत्रकारिता के अनेक क्षेत्र है।
Ans ⇒ 27 जैसे – विज्ञान पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, खेल-पत्रकारिता आदि।
खेल - पत्रकारिता ⇒
इस पत्रकारिता में खेल के बारे में संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। खेल के बारे मे वर्णन करना खेल - पत्रकारिता कहलाती है। इसमे खेल के प्रकार, उसके गुण, उसके नियम आदि का पूरा ज्ञान होना चाहिए तभी हम खेल-को पत्रकारित कर सकते है।

रिपोर्ताज ⇒
Ans ⇒ 28 'रिपोर्ट' का हिन्दी मे अर्थ ही रिपोर्ताज होता है। इसमे किसी घटना का छव कारो के साथ वर्णन करते है तथा इसमे कथात्मक, कलात्मक व भावात्मक अभिव्यक्ति छुपी होती है।

रिपोर्ताज की विशेषताएं ⇒
रिपोर्ताज स्वच्छ व सुथरा व टाइप कॉपी हो।
(i) इसका प्रस्तुतीकरण सहज व सरल हो।
(ii) इसका ढंग आकर्षक होना चाहिए।
(iii) इसमे कलात्मक तथा भावात्मक अभिव्यक्ति होनी चाहिए।
(iv)

साहित्य में डायरी लेखन का बहुत महत्व है।
Ans ⇒ 29. डायरी लेखन से हमें अपनी दिनचर्या याद रहती है। इससे उसे अपने बारे मे जानकारी रहती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

डायरी मे वह अपने दुःख, सुख व अपनी यात्राओं का वर्णन करता है। डायरी लेखन से वह अपनी रचना आसानी से कर सकता है।
इसकी पत्रिका प्रकाशिनी 'स्वपाम' है सरस्वती, है।

Ans→6 या अनुरागी चित की गति समुझै नहिं कोय।
ज्यों-ज्यों बूडै स्याम रंग त्यों-त्यों उज्ज्वल होय।।

इस काव्य पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है। इस अलंकार में किसी मुख्य अर्थ का विरोध होता है। इसमें जैसे-जैसे स्याम रंग में जाते है वैसे-वैसे उज्ज्वल होते है अर्थात- इसमें अर्थ का विरोध हो रहा है।

समाप्त

BSER-16/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

RSBR-164/2016

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

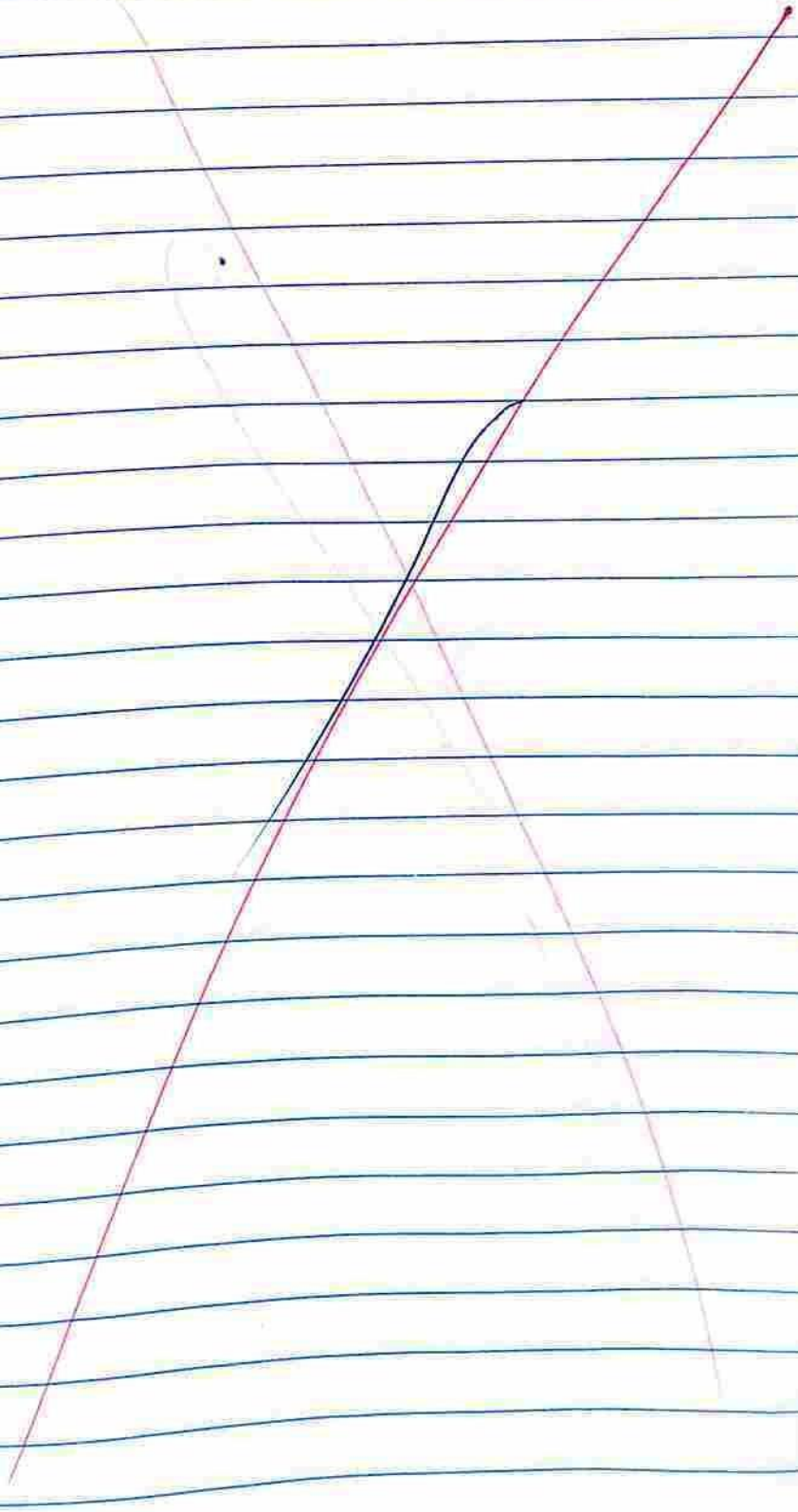

BSR/164/2018